राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

देश की उपासना

जौनपुर से प्रकाशित

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

हरदोई में डॉ. कृष्ण गोपाल गुप्ता का भव्य स्वागत समारोह सम्पन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। ग्रामीण पत्रकारिता के सशक्त स्वर और संगठनात्मक मजबूती के प्रतीक डॉ. कृष्ण गोपाल गुप्ता का भव्य स्वागत समारोह हरदोई में अत्यंत हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। डॉ. गुप्ता एक बार पुनः ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के प्रदेश महामंत्री पद पर निर्वाचित होकर लौटे हैं। इस अवसर पर पत्रकारों ने उन्हें सम्मानित कर उनके नेतृत्व और संगठन के प्रति योगदान को सराहा। यह गरिमामयी आयोजन मंगली पुरवा फाटक स्थित श्री डाल सिंह मेमोरियल पब्लिक स्कूल में संपन्न हुआ, जिसमें जनपद भर से बड़ी संख्या में पत्रकार साथियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने की।

वर्ष – 03 | अंक – 240 | जौनपुर | रविवार, 20 अप्रैल 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

यूपी में अब सिर्फ विकास की चर्चा होती - सीएम योगी

गोरखपुर, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गोरखपुर के विकास को और ऊंचाई देते हुए करीब 1500 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने रोड कनेक्टिविटी, सीवरेज, चिकित्सा, पर्यटन सहित कई क्षेत्रों से जुड़ी 146 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर मानबेला मैदान में आयोजित लोकार्पण और शिलान्यास समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के पहले समाज को जाति, मत, मजहब के नाम पर बांटने वाली ताकतों ने यूपी का विकास करने की बजाय खुद का और परिवार का विकास किया। परिवार तक सिमटी ये ताकतें समाज को बांटने के लिए दंगा कराती थीं। डबल इंजन सरकार आने के साथ यूपी आठ साल से माफियामुक्त, गुंडामुक्त और दंगामुक्त हो चुका है। यूपी की चर्चा अब सिर्फ विकास के लिए होती है। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि विकास का कोई विकल्प नहीं होता है। जो विकास नहीं करा पाते, वे जाति, मत, भाषा, क्षेत्र, मजहब के नाम पर सामाजिक तानेबाने को छिन्न भिन्न कर समाज के सौहार्द को बिगाड़ने का काम करते हैं। मौका मिलने पर ऐसे लोग स्वयं और अपने परिवार के विकास के लिए कार्य करते हैं, जनता की भलाई के लिए कोई प्रयास नहीं

करते हैं। मुख्यमंत्री ने लोगों को 2014 के पूर्व के भारत और 2017 के पूर्व के उत्तर प्रदेश की याद दिलाते हुए कहा कि तब भारत भ्रष्टाचार में डूबा हुआ था, नौजवान किंकर्तव्यविमूढ़ थे। देश की सुरक्षा के लिए नक्सलवाद और आतंकवाद की चुनौती थी। दस वर्षों से आप सबने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बदलते भारत को भी देखा है। नया भारत विकास के नित नए प्रतिमान स्थापित करते हुए आगे बढ़ रहा है। आतंकवाद, नक्सलवाद समाप्त करने के संकल्प को पूरा करते हुए, विरासत और विकास का समन्वय स्थापित करते हुए नई ऊंचाई पर पहुंच रहा है।

सुरक्षा की गारंटी में नई आभा बिखेर रहा उत्तर प्रदेश

मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी भी नए भारत के नए उत्तर प्रदेश के रूप में अपनी आभा बिखेर रहा है। आठ वर्षों में बदलते परिवेश और परिवर्तन को सभी लोगों ने देखा है। यहां अन्नदाता किसानों को सम्मान मिल रहा है। यहां नारी गरिमा और सुरक्षा की गारंटी है। व्यापारियों को सुरक्षा की गारंटी और नौजवानों को रोजगार की गारंटी है। यहां के हर जिले का विकास देखकर लोग वाह वाह कहते हैं। नई पहचान बना रहे उत्तर प्रदेश में व्यापारी बिना भय के कारोबार करते हैं। नए–नए उद्यम लग रहे हैं तो बड़ी संख्या में रोजगार भी मिल रहा है। बहन और बेटियां बिना भय के स्कूल–कॉलेज और बाजार जा रही हैं

आज का यूपी ओडीओपी और ओडीएमसी पर करता है काम

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व की सरकारों में पूर्वी उत्तर प्रदेश में मुसहर भुखमरी से मरते थे तो बुंदेलखंड में किसान आत्महत्या को मजबूर होते थे। परिस्थितियों में परिवर्तन करने की बजाय तबकी सरकारों ने समाज को जाति, क्षेत्र, मजहब के नाम पर बांटने और दंगा कराने का काम किया। दंगा कराने के बाद दोनों समुदायों से अलग अलग मिलकर उनका हितैषी बनने का दिखावा किया। उन्होंने कहा कि आज आठ साल से यूपी में दंगा नहीं, बिना भेदभाव विकास हो रहा है। आज का यूपी माफिया, गुंडा, दंगा से मुक्त होकर वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) और वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज) पर काम करता है। उन्होंने कहा कि युवाओं को सक्षम बनाने के लिए दो करोड़ स्मार्टफोन–टैबलेट वितरित किए जा रहे हैं। स्थानीय कारीगरों और शिल्पियों के लिए ओडीओपी और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना चलाई जा रही है। स्ट्रीट वेंडर्स को पीएम स्वनिधि योजना से आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी दो दिवसीय यात्रा पर जाएंगे सऊदी अरब

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम नरेन्द्र मोदी मंगलवार से सऊदी अरब की दो दिवसीय यात्रा पर जाएंगे। उनकी यह यात्रा ऊर्जा, व्यापार एवं रक्षा समेत कई प्रमुख क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और बढ़ाने पर केंद्रित रहेगी। मोदी और सऊदी अरब के शहजादे मोहम्मद बिन सलमान अल सऊद के बीच वार्ता के बाद कई समझौतों पर हस्ताक्षर किये जायेंगे। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने प्रेसवार्ता में बताया कि यह यात्रा दोनों देशों के बीच पहले से ही मजबूत रणनीतिक साझेदारी को और प्रगाढ़ करने का अवसर प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि भारत–सऊदी अरब ऊर्जा सहयोग को रणनीतिक आयाम देने का प्रयास किया जाएगा।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल करेंगे मुर्शिदाबाद के हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस मुर्शिदाबाद जिले के शमशेरगंज के दंगा प्रभावित क्षेत्रों का आज दौरा कर स्थिति की समीक्षा करेंगे तथा प्रभावित लोगों से बातचीत करेंगे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि इसके बाद बोस जिले के धुलियान, सुती और जंगीपुर में हिंसा प्रभावित अन्य इलाकों का दौरा करेंगे। इन मुस्लिम बहुल इलाकों में 8–12 अप्रैल को वक्फ (संशोधन) अधिनियम के विरोध में हुए प्रदर्शनों के दौरान भड़की हिंसा में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। इसके बाद इस सिलसिले में 274 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

नवीन पटनायक 9वीं बार चुने गए बीजेडी के अध्यक्ष

ओडिशा, एजेंसी। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक को 9वीं बार बीजू जनता दल (बीजेडी) का अध्यक्ष चुना गया है। बीजेडी (एसआरओ) के राज्य रिटर्निंग ऑफिसर ने नवीन पटनायक को 9वीं बार निर्विरोध पार्टी अध्यक्ष चुने जाने की घोषणा की। दरअसल, गुरुवार को पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और राज्य निर्वाचन अधिकारी प्रताप देब की मौजूदगी में नवीन पटनायक ने नामांकन पत्र दाखिल किया था। शनिवार को भुवनेश्वर स्थित पार्टी मुख्यालय शंख भवन में नवीन पटनायक के पार्टी अध्यक्ष चुने जाने की घोषणा की गई। साल 1997 में बीजेडी के गठन के बाद से ही नवीन पटनायक पार्टी की कमान संभाल रहे हैं। उन्हें ऐसे समय पर फिर से पार्टी का अध्यक्ष चुना गया है, जब बीते साल हुए विधानसभा चुनाव में बीजेडी को हार का सामना करना पड़ा। 24 साल में पहली बार बीजेडी विपक्ष की भूमिका निभा रही है। हमारे नेता ने एक बार फिर पार्टी की कमान संभाली है।

अमेरिका और पेरू की यात्रा पर जाएंगी केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण रविवार को अमेरिका और पेरू की यात्रा पर रवाना होंगी। अमेरिका प्रवास के दौरान वह वाशिंगटन डीसी में आईएमएफ –विश्व बैंक की ग्रीष्मकालीन बैठकों में भी शामिल होंगी। उनके अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने की भी उम्मीद है। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि अपने अमेरिका प्रवास के पहले चरण में निर्मला सीतारमण 20 अप्रैल को सैन फ्रांसिस्को पहुंचेंगी। दूसरे चरण में वह 22 से 25 अप्रैल तक वाशिंगटन डीसी में होंगी। सैन फ्रांसिस्को में वह स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के हूवर इंस्टीट्यूशन में शविकसित भारत 2047 की नींव रखना विषय पर बोलेंगी। इसके बाद, एक फायरसाइड चौट सत्र में हिस्सा लेंगी। वित्त मंत्री निवेशकों के साथ गोलमेज बैठक के दौरान प्रमुख फंड मैनेजमेंट कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) के साथ वार्ता करेंगी। इसके अलावा, वह सैन फ्रांसिस्को में स्थित सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र की शीर्ष कंपनियों के सीईओ के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगी। वह सैन फ्रांसिस्को में भारतीय मूल के लोगों के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में वहां बसे भारतीय समुदाय के लोगों से भी बात करेंगी। मंत्रालय ने बताया कि वाशिंगटन डीसी में निर्मला सीतारमण का कार्यक्रम काफी व्यस्त होगा। वह आईएमएफ– विश्व बैंक की ग्रीष्मकालीन बैठकों में शामिल होने के अलावा जी20 देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंकों के गवर्नरों की दूसरी बैठक, डेवलपमेंट कमेटी की आम बैठक, आईएसएफसी प्लेनरी और वैश्विक सरकारी ऋण पर आयोजित गोलमेज सम्मेलन में भी शिरकत करेंगी।

ग्रीष्मकालीन बैठकों से इतर, वह अर्जेंटीना, बहरीन, जर्मनी, फ्रांस, लक्जमबर्ग, सऊदी अरब, ब्रिटेन और अमेरिका सहित कई देशों के अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगी। इसके अलावा, वह वित्तीय सेवाओं के लिए यूरोपीय संघ के आयुक्तय एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के अध्यक्षय एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक (एआईआईबी) के अध्यक्षय वित्तीय स्वास्थ्य के लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव के विशेष अधिवक्ता (यूएनएसजीएसए) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के प्रथम उप प्रबंध निदेशक से भी मुलाकात करेंगी। वित्त मंत्री 26–30 अप्रैल तक पेरू की अपनी पहली यात्रा के दौरान मंत्रालय के अधिकारियों और व्यापार जगत के दिग्गजों के एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगी, जो दोनों देशों के बीच मजबूत होते द्विपक्षीय आर्थिक और व्यापार संबंधों पर प्रकाश डालेगा। राजधानी लीमा में वह पेरू के राष्ट्रपति दीना बोलुआर्ट और प्रधानमंत्री गुस्तावो एड्रियनजेन से मुलाकात करेंगी। इसके अलावा, वह पेरू के वित्त एवं अर्थव्यवस्था, रक्षा, ऊर्जा और खान मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगी और स्थानीय जन प्रतिनिधियों के साथ बातचीत भी करेंगी।

वित्त मंत्री भारत–पेरू व्यापार मंच की बैठक की अध्यक्षता करेंगी, जिसमें दोनों देशों के प्रमुख व्यापार प्रतिनिधि शामिल होंगे।

वह पेरू में वर्तमान में काम कर रहे भारतीय निवेशकों और व्यवसायों के साथ–साथ पेरू का दौरा करने वाले भारतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल के साथ भी बातचीत करेंगी। मंत्रालय के बयान के अनुसार, वित्त मंत्री लीमा में एक सामुदायिक कार्यक्रम में भी भाग लेंगी, जहां वह पेरू में रहने वाले भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत करेंगी।

संगठन का विस्तार करने में जुटीं मायावती

लखनऊ, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने शनिवार को राष्ट्रीय जनगणना, निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन और भाषा नीति जैसे प्रमुख मुद्दों पर केंद्र और विभिन्न राज्य सरकारों के बीच चल रहे विवादों की कड़ी आलोचना की। मायावती ने एक्स पर लिखा कि पश्चिम के महाराष्ट्र, गुजरात तथा दक्षिण भारत के कर्नाटक, तमिलनाडु व केरल में बीएसपी संगठन के गठन की तैयारी व मजबूती एवं पार्टी के जनाधार को बढ़ाने आदि पर दिल्ली में हुई बैठक में गहन समीक्षा व आगे पूरे तन, मन, धन से पार्टी के कार्यों को दिशा–निर्देशानुसार बढ़ाने का संकल्प। मायावती ने आगे लिखा कि जनगणना व उसके आधार पर लोकसभा सीटों का पुनः आवंटन, नई शिक्षा नीति व भाषा थोपने आदि के इन राज्यों व केन्द्र के बीच विवाद के राजनीतिक स्वार्थ के लिए उपयोग से जन व देशहित का प्रभावित होना स्वाभाविक। गुड गवरनेन्स वही जो पूरे देश को संविधान के हिसाब से साथ लेकर चले। सरकार इस बात का जरूर ध्यान रखे। भाषा के प्रति नफरत अनुचित है। इससे पहले बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधते हुए पीडीए (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक) अभियान की आड़ में राजनीतिक लाभ के लिए दलितों का शोषण करने का आरोप लगाया। बसपा नेता ने 'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा, "विदित है।

दिल्ली सरकार सिर्फ कार्रवाई का दिखावा कर रही है - सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने रेखा गुप्ता की सरकार पर आरोप लगाया है कि वह निजी स्कूलों की मनमानी और बच्चों को दी जा रही प्रताड़ना के खिलाफ कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है और सिर्फ कार्रवाई का दिखावा कर रही है। सौरभ भारद्वाज ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह मामला 20 मार्च से शुरू हुआ, जब दिल्ली के विभिन्न निजी स्कूलों ने अचानक और बेतरतीब तरीके से फीस में भारी बढ़ोतरी कर दी। द्वारका स्थित डीपीएस स्कूल में तो बच्चों को सिर्फ इसलिए कक्षा में नहीं बैठने दिया गया क्योंकि उनके माता–पिता ने बढ़ी हुई फीस का भुगतान नहीं किया था। बच्चों को लाइब्रेरी में बैठाकर मानसिक रूप

से प्रताड़ित किया गया और यहां तक कि टॉयलेट जाने पर भी रोका गया।

उन्होंने बताया कि इस अन्याय के खिलाफ दिल्ली भर के माता–पिता धरना–प्रदर्शन कर रहे हैं और शिक्षा विभाग तथा मुख्यमंत्री तक को शिकायतें की गई हैं, लेकिन कहीं से कोई सहायता नहीं मिली। नतीजतन, अभिभावकों को मजबूरी में हाई कोर्ट का रुख करना पड़ा। श्आपश ने जब इस मामले को उठाया, तब जाकर दिल्ली सरकार ने आनन–फानन में डीएम की अगुवाई में एक जांच कमेटी का गठन किया। गत 3 अप्रैल को डीएम ने डीपीएस द्वारका का निरीक्षण किया, जिसमें बच्चों को लाइब्रेरी में बैठाकर प्रताड़ित करने की पुष्टि हुई। हालांकि, हाई कोर्ट में प्रस्तुत रिपोर्ट में फीस वृद्धि से संबंधित कोई जानकारी नहीं दी गई। हाई कोर्ट की सुनवाई का जिक्र करते हुए भारद्वाज ने कहा कि अदालत ने दिल्ली सरकार को कड़ी फटकार लगाते हुए पूछा कि जब डीएम ने प्रताड़ना की पुष्टि की तो प्रिंसिपल के खिलाफ एफआईआर क्यों नहीं हुई और कार्रवाई में देरी क्यों की जा रही है। सरकार की ओर से सिर्फ श्कारण बताओ नोटिसश जारी किया गया जो केवल समय खींचने की कोशिश है। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद पर झूठ बोलने का आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने दावा किया कि 650 स्कूलों का ऑडिट हो चुका है, जबकि हकीकत यह है कि अभी तक ऑडिटर तक नियुक्त नहीं किए गए हैं।

पीएम से मिले हिमंत बिस्वा सरमा

असम, एजेंसी। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और उन्हें संगीत के क्षेत्र में भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की जन्म शताब्दी के उद्घाटन समारोह में आमंत्रित किया। अपने आधिकारिक आवास पर प्रधानमंत्री के साथ 20 मिनट की बैठक में मुख्यमंत्री सरमा ने मोदी को असम बायो–इथेनॉल प्लांट का उद्घाटन करने और 5,700 करोड़ रुपये की गुवाहाटी रिंग रोड परियोजना और दरंग मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की आधारशिला रखने के लिए भी आमंत्रित किया। प्रधानमंत्री ने आगामी 8 सितंबर को आयोजित होने वाले इन समारोहों में मुख्य अतिथि बनने के लिए मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए निमंत्रण को सहर्ष स्वीकार कर लिया। मुख्यमंत्री ने

प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए निमंत्रण को स्वीकार करने के लिए उन्हें हार्दिक धन्यवाद दिया। सरमा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आज नयी दिल्ली में माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी से मिलना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। मैंने भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में एक साल तक चलने वाले समारोह के उद्घाटन कार्यक्रम के लिए मुख्य अतिथि के रूप में उन्हें असम आमंत्रित किया।' उन्होंने बताया कि हजारिका की जन्म शताब्दी वर्ष में पूरे भारत में कार्यक्रम के आयोजन और स्मारक सिक्का जारी करने आदि की योजना बनाई गई है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैंने असम जैव–इथेनॉल संयंत्र का उद्घाटन करने का भी उनसे अनुरोध किया।

बांग्लादेश में हिंदू नेता की हत्या की खड़गे ने की निंदा, केंद्र सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों पर लगातार हो रहे हमलों, खासकर हिंदू समुदाय को निशाना बनाए जाने की कड़ी निंदा की। उनका यह बयान बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के प्रमुख नेता भाबेश चंद्र रॉय की नृशंस हत्या के बाद आया। खड़गे ने इस मामले में मोदी सरकार की कूटनीति पर भी निशाना साधा। शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर खड़गे ने कहा, बांग्लादेश में लगातार धार्मिक अल्पसंख्यकों, खासकर हमारे हिंदू भाई–बहनों पर अत्याचार हो रहा है। हिंदू समुदाय के एक बड़े नेता भाबेश चंद्र रॉय की क्रूरतापूर्ण हत्या इस बात का सबूत है कि नरेंद्र मोदी की बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के साथ मुस्कुराने वाली बैठक नाकाम रही। कांग्रेस अध्यक्ष ने पोस्ट में लिखा, संसद में दिए गए भारत सरकार के उत्तर के अनुसार, इससे पहले दो महीनों में ही हिंदुओं पर 76 हमले हुए, जिसमें 23 हिंदू मारे गए। अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों पर भी हमले जारी हैं।

उन्होंने कहा, ष्हाल ही में बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार ने भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के बारे में एक बेहद निंदनीय और निराशाजनक टिप्पणी की थी। खड़गे ने कहा, बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों पर अत्याचार, मानवाधिकार हनन और 1971 के मुक्ति संग्राम की स्मृतियों करने का प्रयास किया जा रहा है जो भारत व बांग्लादेश के रिश्तों को कमजोर करने की कोशिश है।

हमारे आदर्श इस्लाम विरोधी या मुस्लिम विरोधी बिलकुल नहीं - राजनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उन राजनीतिक दलों की आलोचना की जो बाबर, तैमूर, औरंगजेब और गजनवी जैसे ऐतिहासिक पात्रों की प्रशंसा करते हैं, जिन्हें अक्सर भारत में आक्रमणों से जोड़ा जाता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान से ऐसी प्रशंसा की उम्मीद की जाती है, लेकिन जब यह भारत के भीतर से आती है तो इस पर सवाल उठता है। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान में बाबर, तैमूर, औरंगजेब और गजनवी की तारीफ की जाती है तो यह समझ में आता है क्योंकि उनकी नीति और राजनीति दोनों ही भारत विरोधी हैं। उन्होंने (पाकिस्तान ने) जो भी मिसाइलें बनाई हैं, उनका नाम बाबर, गजनवी जैसे आक्रमणकारियों के नाम पर रखा है। राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि हम पाकिस्तान के भारत विरोधी रुख को समझते हैं लेकिन इन लोगों की क्या मजबूरी है? क्या उन्हें लगता है कि बाबर, तैमूर, औरंगजेब, गजनवी का समर्थन करके उन्हें मुस्लिम समुदाय का समर्थन मिल जाएगा?

ऐसा करके वे देश के मुस्लिम समुदाय का भी अपमान कर रहे हैं। सिंह ने छत्रपति शिवाजी महाराज और महाराणा प्रताप जैसे ऐतिहासिक व्यक्तित्वों से प्रेरणा लेते हुए भारत के समावेशी चरित्र पर जोर दिया, जिन्होंने धर्म की परवाह किए बिना सभी के लिए एकता और कल्याण को बढ़ावा दिया। रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारे आदर्श इस्लाम विरोधी या मुस्लिम विरोधी बिलकुल नहीं थे। हकीम खान सूरी ने मुगलों के खिलाफ हल्दीघाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप के साथ लड़ाई लड़ी थी। छत्रपति शिवाजी महाराज की सेना में मुस्लिम समुदाय के लोग भी थे। छत्रपति शिवाजी महाराज के अंगरक्षकों में सबसे भरोसेमंद व्यक्ति मदारी नाम का एक मुस्लिम युवक था। ऐसे महाराणा प्रताप और छत्रपति शिवाजी महाराज हमारे नायक हैं। उन्होंने कहा कि हम धर्म की राजनीति नहीं करते। हमारे लिए सभी भारतीय समान हैं। जिन्होंने कभी धर्म के आधार पर लोगों के साथ भेदभाव नहीं किया। उन्होंने हमेशा राम–राज्य के आदर्शों के साथ लोगों के कल्याण के लिए काम किया है। रक्षा मंत्री ने कहा, ये तथाकथित धर्म निरपेक्षता वादी दारा शिकोह के बारे में बात नहीं करते, इसी तरह, वे आदिल शाह के बारे में भी बात नहीं करते। आदिल शाह के कई आदेश देवी सरस्वती की पूजा से शुरू होते हैं।

संपादकीय

शून्यता का प्रकाश

मनुष्य का अस्तित्व एक गूढ़ रहस्य है, जिसे समझने का प्रयास उसने युगों से किया है। हम जितना इस रहस्य को सुलझाने की कोशिश करते हैं, उतना ही यह और गहरा होता जाता है । हमारे भीतर एक असीम शून्यता है, जिसे हम अक्सर डर के रूप में देखते हैं, लेकिन वास्तव में यही शून्यता हमारे होने की पहचान है। जब हम स्वयं को किसी भी विशेषता, किसी भी पहचान से मुक्त कर देते हैं, तभी हम अपने वास्तविक स्वरूप में आते हैं। यह विचार सुनने में विरोधाभासी लगता है, लेकिन यही जीवन का सबसे मौलिक सत्य है– कुछ भी नहीं होना, वास्तव में कुछ होना है। चीजों से जोड़ते हैं, तो हम अनजाने में स्वयं को सीमाओं में बांध लेते हैं । हम यह मान लेते हैं कि हमारी पहचान हमारे नाम, पद, रिश्तों, उपलब्धियों और भौतिक वस्तुओं में निहित है। मगर जब हम इन सबसे मुक्त होकर स्वयं को देखते हैं, तो हमें अनुभव होता है कि हम केवल बाहरी पहचान तक सीमित नहीं हैं, बल्कि हम अनंत हैं। हमारे भीतर एक व्यापक आकाश है, जो हर सीमा से परे है। यह आकाश तभी प्रकट होता है, जब हम अपने मन को समस्त पूर्वाग्रहों, आकांक्षाओं और अहंकार से रिक्त कर देते हैं। यह शून्यता कोई अभाव नहीं, बल्कि अनंत संभावनाओं से भरी हुई अवस्था है। योग और ध्यान की विधियां इसी ओर इशारा करती हैं– मन को शून्य बनाओ, विचारों के भार मुक्त हो जाओ और तब तुम अपने वास्तविक स्वरूप को जान पाओगे । बौद्ध धर्म में श्शून्यवादश की अवधारणा भी इसी ओर संकेत करती है कि जब तक मनुष्य स्वयं को कुछ मान कर चल रहा है, तब तक वह बंधनों में है, लेकिन जब वह स्वयं को श्कुछ भी नहींश मानता, तब ही वह सच्ची मुक्ति प्राप्त करता है। इसका तात्पर्य यह नहीं कि व्यक्ति का अस्तित्व समाप्त हो जाता है, बल्कि वह सीमित मैं से निकल कर असीमित हम में परिवर्तित हो जाता है। वह पहले शून्यता में ही विद्यमान होता है। जब कोई कलाकार एक नई रचना करता है, तो वह पहले अपनी चेतना को विचारों की भीड़ से मुक्त करता है। जब कोई कवि कविता लिखता है, तो वह पहले स्वयं को शब्दों के बोझ से खाली करता। जब कोई ऋषि ध्यान में बैठता है, तो वह पहले अपने मन को समस्त विचारों से मुक्त करता है । यह शून्यता ही निर्माण की पहली अवस्था है। अगर हमारा मन पहले से ही विचारों और धारणाओं से भरा होगा, तो उसमें कोई नया विचार जन्म नहीं ले सकता। इसलिए, श्कुछ नहीं होनाश सृजन का पहला चरण है। यह विचार केवल व्यक्तिगत स्तर पर ही नहीं, बल्कि सामाजिक और वैश्विक स्तर पर भी लागू होता है। जब समाज स्वयं को एक निश्चित पहचान में सीमित कर लेता है, तो वह संकीर्णता में फंस जाता है। जब कोई राष्ट्र स्वयं को किसी विशेष संस्कृति या परंपरा तक सीमित कर लेता है, तो वह अपनी व्यापकता को खो देता है। इसी कारण महान सभ्यताएं तब तक फली फूलीं, जब तक वे बाहरी प्रभावों के लिए खुली रहीं, लेकिन जैसे ही वे अपने को पूर्ण मानने लगीं, वैसे ही उनका पतन शुरू हो गया। इतिहास गवाह है कि जो भी समाज स्वयं को श्कुछश मान कर चलता है, वह स्थिर हो जाता है और धीरे – धीरे समाप्त हो जाता है। मगर जो समाज स्वयं को कुछ नहीं मान कर परिवर्तनशील रहता है, वही अनंत काल तक जीवित रहता है। व्यक्तिगत जीवन में भी यह नियम लागू होता है।

महंगी होती शिक्षा, सरकार की चुप्पी शिक्षा का बढ़ता बाजारीकरण

आदित्य

बचपन अतुलित आनंद यानी चंचलता और हंसने–हंसाने का नाम है। कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान ने लिखा है, 'चिंता रहित खेलना, खाना और निर्भय स्वच्छंद फिरना..! कैसे भूला जा सकता है बचपन का अतुलित आनंद।' इसलिए बचपन का स्वागत उत्साह एवं भावनाओं से हो। बच्चों के पाठ्यक्रम की चर्चा की जाए तो वह मनोरंजन, यानी हंसने–हंसाने के साथ अधिगम (समझ) हासिल करने वाला होना चाहिए। बरसों से यह बात सुर्खियों में रहती आई है कि गैरसरकारी और निजी स्कूल संचालकों द्वारा बच्चों की पढ़ाई के निमित्त मोटी फीस वसूली जाती है। पाठ्यक्रम के नाम पर भारी–भरकम पुस्तकें बचपन पर थोपी जा रही है। अभिभावकों पर परोक्ष, तो कहीं–कहीं प्रत्यक्ष दबाव बनाया जाता है। शिक्षा खुलेआम बेची जा रही है और वह भी ऊंचे दामों पर। अभिभावक मजबूरी में खरीद रहे है। बच्चों की शिक्षा के नाम पर ऊंचे दाम पर शिक्षा बिकती है, मोटी रकम वसूली जा रही होती है, ऐसे में संबंधित प्रदेश और देश की सरकार का दायित्व उसे संभालने का होना चाहिए। आए दिन ऐसी खबरें प्रमुखता से छपती हैं कि निजी स्कूल ऊंचे दामों की किताबें और मोटी रकम फीस के तौर पर अभिभावकों से मांग कर रहे हैं। चाहे बच्चों का हो या ऊंची कक्षाओं में एकरूपता होनी चाहिए। कहने का आशय यह है कि सरकारी स्कूलों के लिए पाठ्यक्रम कुछ और हो, गैर सरकारी निजी स्कूलों के लिए कुछ और। जबकि इसमें एकरूपता परम आवश्यक है। पिछले दिनों मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने इस पर सख्ती दिखाई थी। शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू होने के बाद निजी विद्यालय द्वारा फीस वृद्धि नियंत्रित करने के लिए अनुशंसाएं करने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया था। तब राज्य सरकार द्वारा राजस्थान विद्यालय (फीस का विनिमेय) अधिनियम, 2016 एवं नियम 2017 निर्धारित कर लागू किए गए। इस अधिनियम में प्रत्येक विद्यालय में माता–पिता अध्यापक संगम की स्थापना करने और इस संगम की देखरेख में विद्यालय स्तरीय फीस समिति का गठन करने का प्रावधान किया गया है। हालांकि निजी विद्यालय इस समिति के जरिए फीस वृद्धि करते हैं, लेकिन शासन और विभागीय अधिकारियों के स्तर से सूक्ष्म निगरानी और नियंत्रण नहीं होने के कारण इन समितियों के नाम पर विद्यालय द्वारा लीपापोती कर शुल्क वृद्धि कर लेने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। नियम और व्यवस्था के नाम पर महज लीपापोती न होकर आवश्यकता इस बात की है कि शासन का प्रत्येक स्तर पर 'फ्रेंड फिलास्फर गाइड' यानी मित्र–दार्शनिक सिद्धांत के अनुसार विद्यालयों पर प्रभावी नियंत्रण हो। ऐसे वातावरण के निर्माण की आवश्यकता है, जिसमें विद्यालय शिक्षा का कार्य एक पुनीत, सामाजिक दायित्व और अपना स्वयं का कार्य मानकर पूर्ण प्रतिबद्धता तथा ईमानदारी के साथ निर्वहन करें। वर्तमान में इस सिद्धांत के अनुसार काम कम ही हो रहा लगता है। ऐसा लगता है कि निजी स्कूलों को अपना पाठ्यक्रम निर्धारण करने और मनमानी फीस वसूलने का अधिकार दे दिया गया है। शिक्षा का सार्वजनिकीकरण और निजी क्षेत्र की भागीदारी जरूरी हो सकती है, लेकिन बच्चों को क्या परोसा जा रहा है, उसकी पड़ताल सरकार की जिम्मेदारी होनी चाहिए। वर्तमान में निजी क्षेत्र को सहायक सामग्री के रूप में पाठ्यक्रम लागू करने और बोर्ड के अतिरिक्त सभी तरीके के परीक्षा–पत्र अपने स्तर पर तैयार करने का अधिकार देने से शिक्षा की एकरूपता समाप्त हो रही है, वहीं शिक्षा बेलगाम तरीके से महंगी और बाजार आधारित होती जा रही है। राज्य और केंद्र सरकार से मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों के निर्धारित पाठ्यक्रम के साथ–साथ हर विषय के साथ एक सहायक सामग्री की पुस्तक लगाने की छूट देना शिक्षा को महंगी करने की राह तैयार करेगा। जिस प्रकार वस्तुओं के मूल्य निर्धारण का अधिकार सरकार ने अपने पास नहीं रखा, ठीक उसी प्रकार शिक्षा तंत्र की फीस और पाठ्यक्रम निर्धारण का कार्य सरकार ने बाजार के हवाले कर दिया। माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में जिस प्रकार केंद्रीय और राज्य बोर्ड का पाठ्यक्रम लागू होता है, ऐसे में पाठ्यक्रम और परीक्षा–पत्रों की समानता बनी रहती है। नई शिक्षा नीति में बोर्ड की अवधारणा तो लगभग समाप्त किया जाना है, जिसके परिणाम भविष्य के गर्भ में हैं। सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए कि निजी शिक्षण संस्थानों का पाठ्यक्रम सरकारी पाठ्यक्रम से अलहदा न हो। नर्सरी से आठवीं कक्षा तक पाठ्यक्रम निर्धारण सरकार को करना चाहिए और सहायक शिक्षण सामग्री की छूट पर पाबंदी लगाना चाहिए। इससे निजी शिक्षण संस्थाओं के बेजा पाठ्यक्रम पर लगाम लगेगी। अभिभावकों पर पाठ्यक्रम के नाम पर महंगी किताबों पर अपने आप ही अंकुश लगेगा। उच्च पेशेवर शिक्षा में चिकित्सा, इंजीनियरिंग का एक ही पाठ्यक्रम होता है, एक ही परीक्षा होती है और उसकी फीस भी सरकार निर्धारित करती है। इसी प्रकार प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में भी एक पाठ्यक्रम और एक फीस का निर्धारण सरकारी स्तर पर किया जाना चाहिए।

ट्रम्प के अमेरिका में विज्ञान पर युद्ध

विनोद

एक सदी पहले, थॉमस एडिसन, अलेक्जेंडर ग्राहम बेल और राइट ब्रदर्स जैसे लोगों द्वारा किए गए अभूतपूर्व नवाचारों के बावजूद, अमेरिका बुनियादी विज्ञान में वैश्विक नेता नहीं था। उस समय, यूरोप – विशेष रूप से जर्मनी – मौलिक वैज्ञानिक प्रगति पर हावी था। हालाँकि, 1930 के दशक में नाजीवाद के उदय ने, नस्लीय और जातीय शुद्धता की अपनी जहरीली विचारधारा के साथ, जर्मनी के कई प्रमुख वैज्ञानिकों को खतरे में डाल दिया। इस उत्पीड़न ने कई विद्वानों को अमेरिका भागने के लिए मजबूर किया, जिसने उनका खुले हाथों से स्वागत किया। एक पहाड़ी पर चमकता हुआ शहर – अमेरिकी असाधारणता को समेटने के लिए रोनाल्ड रीगन द्वारा 1989 के अपने विदाई भाषण में प्रचलित की गई पंक्ति – अंततः बाइबिल से प्रेरणा लेती है, जहाँ यीशु अपने अनुयायियों से कहते हैं, तुम दुनिया की रोशनी हो। एक पहाड़ी पर बसा शहर छिप नहीं सकता। लेकिन अपनी धार्मिकता के साथ–साथ, अमेरिका के संस्थापक पिता – जिनमें से सभी धर्मनिष्ठ ईसाई नहीं थे – विचार, अभिव्यक्ति और धार्मिक बहुलवाद की स्वतंत्रता जैसे ज्ञानोदय के आदर्शों से गहराई से प्रभावित थे। मूल्यों के इस संलयन ने एक ऐसे राष्ट्र का निर्माण किया जिसके संविधान और संस्थानों ने एक उन्मुक्त शैक्षणिक संस्कृति के लिए उपजाऊ जमीन तैयार की। इस तरह के माहौल ने एक मजबूत बुनियादी विज्ञान अनुसंधान की नींव रखी। अमेरिकी विज्ञान के उदय को 1930 के दशक में सत्तावादी शासन से भागने वाले अप्रवासियों और बाद में अवसर की तलाश में आने वाले लोगों ने गति दी। भारत और चीन की प्रतिभाओं सहित इन व्यक्तियों ने 1960 के दशक के अमेरिकी शिक्षा जगत में बौद्धिक स्वतंत्रता और संस्थागत उदारता का एक दुर्लभ संयोजन पाया।यह 1964 के नागरिक अधिकार अधिनियम द्वारा भी सुगम बनाया गया था, जिसने जाति, रंग, धर्म या राष्ट्रीय मूल के आधार पर भेदभाव को गैरकानूनी घोषित कर दिया था। वैश्विक प्रतिभाओं के लिए रणनीतिक खुलापन परिवर्तनकारी साबित हुआ। बुनियादी विज्ञान में उपलब्धियों ने परमाणु और जीनोम को समझने से लेकर इंटरनेट और ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम को विकसित करने से लेकर जीवन रक्षक चिकित्सा तक की बड़ी सफलताएँ हासिल कीं। अमेरिका दूसरों के लिए एक आदर्श बन गया। तकनीक की जीवनरेखा हमेशा से बुनियादी विज्ञान रही है – अनुप्रयुक्त विज्ञान के विपरीत प्राकृतिक दुनिया को समझना। 1989 में रीगन के शासन का अंत और अमेरिकी असाधारणता का लुत्फ उठाना सोवियत संघ के विघटन के साथ हुआ। यह लेखक, जो हाल ही में पोस्टडॉक्टरल शोधकर्ता के रूप में अमेरिका में एक विश्वविद्यालय में शामिल हुआ था, यूएसएसआर के अंत को चिह्नित करने वाले ध्वज को टेलीविजन पर देखना याद करता है। इसे नवउदारवाद और लोकतंत्र की जीत के रूप में देखा गया था। लेकिन रीगन और डोनाल्ड ट्रम्प के बीच अमेरिका में बहुत कुछ बदल गया है। ज्ञानोदय के सिद्धांतों से पीछे हटने के कारण, कुछ अमेरिकी अब यह भी मानते हैं कि देश एक ईसाई राष्ट्र है जो ईसाइयों द्वारा ईसाइयों के लिए बनाया गया है – कुछ हद तक 1930 के दशक में जर्मनी में उठाए गए राजनीतिक नारों की याद दिलाता है। पिछले कई वर्षों से नवउदारवादी लोकतांत्रिक व्यवस्था में दरारें बढ़ती जा रही हैं। इसने फ्रांसिस फुकुयामा को, जिन्होंने 1989 में द एंड ऑफ हिस्ट्री लिखी थी, अपने हालिया लेखन में उदार लोकतंत्र की संभावनाओं के बारे में अधिक संदेहपूर्ण बना दिया होगा। वर्तमान सत्तारूढ़ अभिजात वर्ग का अधिकांश गुस्सा विज्ञान और शिक्षा पर पड़ा है। उनके शोध करियर का भविष्य फंडिंग में भारी कटौती, नौकरियों के नुकसान और वीजा रद्द होने से खतरे में है। नए प्रशासन ने विविधता, समानता और समावेश को अपनाने वाले कार्यक्रमों के लिए संघीय अनुदानों पर रोक लगाने की घोषणा की। इसने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ द्वारा भुगतान की जाने वाली परियोजनाओं के लिए फंड में भारी कटौती की, जिससे ऐसे कार्यक्रमों की मेजबानी करने वाले कई प्रमुख विश्वविद्यालयों के साधन प्रभावित हुए। यह आशंका है कि इससे अमेरिका से यूरोप और अन्य देशों में रिवर्स ब्रेन ड्रेन को बढ़ावा मिलेगा। नेचर द्वारा अमेरिकी शोधकर्ताओं के बीच हाल ही में किए गए एक सर्वेक्षण में, 1,600 में से 1,200 से अधिक ने कहा कि वे देश छोड़ना चाहेंगे – जो कुल का लगभग 75 प्रतिशत है। स्नातकोत्तर छात्रों में से 700 उत्तरदाताओं में से 500 छात्र छोड़ना चाहते थे। जोखिमों को नोट किया क्योंकि ष्देश नीति निर्माण में वैज्ञानिक साक्ष्य को कम आंकना चाहता है और विश्वविद्यालयों, पुस्तकालयों और संग्रहालयों सहित अमेरिकी ज्ञान पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन करने वाली संरचनाओं पर हमला करना चाहता हैष। अमेरिकी संघीय एजेंसियाँ देश के बुनियादी विज्ञान अनुसंधान के 60 प्रतिशत को निधि देती हैं। NIH, जिसका बजट +48 बिलियन होने का अनुमान है, दुनिया में बायोमेडिकल अनुसंधान का सबसे बड़ा वित्तपोषक है, और नेशनल साइंस फाउंडेशन मौलिक विज्ञान और इंजीनियरिंग पर लगभग +9 बिलियन खर्च करता है। नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन को महत्वपूर्ण कटौती का सामना करना पड़ रहा है, जिससे इसका जलवायु विज्ञान अनुसंधान प्रभावित हो रहा है।

.... विविध ....

शादी के सात वचन कौन-कौन से होते हैं? भूल गए हैं तो पार्टनर संग दोहरा लें

हिंदू धर्म में शादी केवल एक परंपरा नहीं है जिसमें दो लोग वैवाहिक रिश्ते तक सीमित होते हैं, बल्कि विवाह पति–पत्नी के बीच सात जन्मों तक साथ निभाने का पवित्र बंधन है। विवाह की रस्मों में सात फेरे लिए जाते हैं, जो सबसे महत्वपूर्ण माने जाते हैं। हर फेरे के साथ एक वचन लिया जाता है जो जीवन भर साथ निभाने का संकल्प होता है। इसे सात जन्मों के वचन भी कह सकते हैं। अगर पति–पत्नी इन वचनों को पूरी ईमानदारी से निभाएं, तो उनका रिश्ता और भी मजबूत और सुखमय बन सकता है। हालांकि शादी के सात वचन याद रखना मुश्किल होता है। आइए जानते हैं शादी के वह सात वचन जो हर दंपत्ति को याद रखने चाहिए।

पहला वचन

शादी के सात वचनों में पहला वचन वधू वर से चाहती है कि अगर आप कभी तीर्थ यात्रा पर जाएं तो मुझे भी अपने साथ लेकर जाएं। कोई व्रत–उपवास या फिर अन्य धार्मिक कार्य में मेरी सहभागिता हो।

दूसरा वचन

लड़की लड़के से शादी के दौरान ये वचन लेती है कि जिस प्रकार आप अपने माता पिता का सम्मान करते हैं, उसी प्रकार मेरे माता–पिता का भी सम्मान करेंगे।

तीसरा वचन

वधू वर से कहती है कि आप हर परिस्थिति में मेरा साथ दें, ध्यान रखें। लड़की चाहती है कि उनके पति युवा, प्रौढ़ और वृद्धावस्था यानी जीवन भर उनका ध्यान रखें और उनका पालन–पोषण करें।

चौथा वचन

शादी के चौथे वचन में परिवार और संतान के प्रति जिम्मेदारी को संभालने की वर से कामना करता है। कन्या वर से वचन लेती हैं कि अब तक आप घर–परिवार की चिंताओं से पूरी तरह से मुक्त थे लेकिन अब जब आप विवाह बंधन में बंधने में जा रहे हैं तो भविष्य में परिवार की सारी आवश्यकताओं को पूरा करने का दायित्व आपके कंधों पर होगा।

पांचवां वचन

कन्या अपने पांचवें वचन में वर से यह मांग करती है कि किसी भी काम और लेन–देन आदि में खर्च करते समय आप मुझसे सलाह जरूर करेंगे। चाहे जीवन में कोई भी स्थिति हो – सुख हो या दुख, अच्छे दिन हों या बुरे, दोनों एक–दूसरे का हमेशा साथ देंगे और किसी भी परिस्थिति में एक–दूसरे का त्याग नहीं करेंगे।

छठा वचन

वधु वर से विवाह मंडन के नीचे यह वचन लेती है कि अगर मैं अपनी सखियों या अन्य स्त्रियों के साथ बैठी हूं तो आप वहां सबके सामने किसी भी कारण से मेरा अपमान नहीं करेंगे। आप जुआ या अन्य किसी प्रकार के बुरे कर्मों से अपने आपको दूर रखेंगे।

सातवां वचन

विवाह के अंतिम वचन में लड़की अपने होने वाली पति से कहती है

कि आप दूसरी स्त्रियों को अपना माता के सामान समझेंगे और पति–पत्नी के रूप में हमारे प्रेम संबंध के बीच किसी अन्य स्त्री को भागीदार नहीं बनाएंगे।

बच्चों के लिए घर पर तैयार करें आइसक्रीम

गर्मी का मौसम शुरू हो गया है। ऐसे में हर कोई ऐसी चीजों का सेवन करना चाहता है, जिसके सेवन से शरीर को ठंडक महसूस हों। इन चीजों में सबसे पहले आती है आइसक्रीम। बच्चों से लेकर बड़े लोगों तक को आइसक्रीम का सेवन पसंद आता है। इस मौसम में बाजार में कई तरह के फ्लेवर वाली आइसक्रीम मिलती है, लेकिन बाजार में मिलने वाली आइसक्रीम का ज्यादा सेवन नहीं किया जा सकता।

यदि आपको आइसक्रीम खाना पसंद है तो आप इसे घर पर भी तैयार कर सकते हैं। यहां हम आपको एक ऐसी आइसक्रीम बनाने की विधि बताने जा रहे हैं, जिसको बनाने में

चीनी और दूध की जरूरत भी नहीं पड़ती। इस वजह से ये आइसक्रीम काफी हेल्दी है। तो चलिए बिना देर किए आपको घर पर ही हेल्दी आइसक्रीम बनाने की विधि बताते हैं।

आइसक्रीम बनाने का सामान

पका हुआ आम

पका हुआ केला

खजूर

काजू

बादाम

पिस्ता

विधि

ऊपर दिए गए सामानों की मदद से आप बिना दूध और चीनी की आइसक्रीम तैयार कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले आपको आम और केले को फ्रीज करना है। दोनों चीजों को फ्रीज करने से लिए आम और केले को टुकड़ों में काटकर एक कटोरे में रखें और फिर इस कटोरे को फ्रिजर में रख दें।

इसके बाद जब आइसक्रीम बनाने को तैयार हों, तो कम से कम 15 मिनट पहले खजूर को पानी में भिगो दें। इससे वो नरम हो जाते हैं। अब एक ब्लेंडर लेकर उसमें फ्रीज किए हुए केला, आम और भिगोकर रखे हुए खजूर डालें। खजूर के बीजों को निकाल लें। इसके बाद इसे तब तक ब्लेंड करें जब तक एकदम स्मूद और क्रीमी आइसक्रीम जैसा टेक्सचर न आ जाए। जब ये सही तरह से ब्लेंड हो जाए तो इसे निकालकर आइसक्रीम मोल्ड में डालें।

... एजेंसी

डिनर करने का सही समय क्या है? 11 बजे के बाद भोजन करने के क्या नुकसान हैं

खान–पान की गड़बड़ी ने कई प्रकार की बीमारियों के खतरे को काफी बढ़ा दिया है। भोजन के दो पहलू हैं– आप क्या खाते हैं और कब खाते हैं? स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अच्छी सेहत चाहते हैं तो हमेशा ऐसी चीजों का सेवन करना चाहिए जिससे शरीर के लिए आवश्यक अधिकतर पोषक तत्वों की पूर्ति हो सके। आहार की पौष्टिकता के साथ आप किस समय भोजन करते हैं इसका भी सेहत पर असर होता है। आहार विशेषज्ञ कहते हैं, शरीर को स्वस्थ और पाचन क्रिया को बेहतर रखने के लिए भोजन का एक समय निर्धारित करें और रोजाना उसी समय पर ही भोजन करें। रात के भोजन को लेकर और भी सावधानी बरतना जरूरी है। आइए जानते हैं कि रात में खाने का सही समय क्या है? और देर में खाना खाने के क्या नुकसान हो सकते हैं?

रात में देर से भोजन करने के क्या नुकसान हैं?

हाल ही में किए गए अध्ययनों में शोधकर्ताओं ने पाया कि रात में देर से भोजन करने वाले लोगों में कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम अधिक हो सकता है, इससे मोटापे का खतरा भी बढ़ जाता है। इसी तरह एंडोक्राइन सोसाइटी के जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंडोक्रिनोलॉजी एंड मेटाबॉलिज्म में प्रकाशित एक अन्य अध्ययन के मुताबिक, देर से खाना खाने से वजन और रक्त शर्करा का स्तर बढ़ सकता है।

देर से डिनर और वजन बढ़ने की समस्या

पहले अध्ययन में शोधकर्ताओं ने उन स्थितियों के बारे में जानने की कोशिश की जिनके कारण रात में देर से खाने से मोटापे का खतरा बढ़ सकता है। प्रोफेसर और अध्ययन के प्रमुख लेखक फ्रैंक ए जे एल स्कीर कहते हैं, देर से भोजन करने वाले लोगों में लेप्टिन और ग्रेलिन जैसे भूख को नियंत्रित करने वाले हार्मोन्स पर असर देखा गया। लेप्टिन हार्मोन जो पेट भरा होने का संकेत देता है, इसकी देर से भोजन करने वाले लोगों में विशेष कमी देखी गई। जो लोग रात 11 बजे के बाद भोजन करते हैं उनमें कैलोरी बर्न की गति भी कम देखी गई जिसके कारण वजन बढ़ने का खतरा भी अधिक देखा गया। भोजन करने के समय में बदलाव शरीर के सर्केडियन रिदम को प्रभावित कर देता है जिसके कारण इस तरह की दिक्कतें हो सकती हैं।

डायबिटीज का भी हो सकता है खतरा

दूसरे अध्ययन में शोधकर्ताओं ने बताया कि देर से खाना खाने से वजन और रक्त शर्करा का स्तर बढ़ सकता है।

जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय में मेडिसिन के प्रोफेसर डॉ. जोनाथन सी. जेन कहते हैं अध्ययन के निष्कर्षों से पता चलता है कि देर से खाना खाने वालों में रक्त शर्करा का स्तर अधिक और फैट बर्न की मात्रा कम होती है। यदि आप अपनी दिनचर्या को सामान्य सर्केडियन रिदम के साथ लेकर नहीं चलते हैं, तो शरीर में ग्लूकोज का उस तरह से मेटाबॉलिज्म नहीं हो पाता है जो शरीर को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी है। देर से डिनर करने से टाइप–2 डायबिटीज और इसके कारण होने वाली जटिलताओं का खतरा भी बढ़ जाता है। रात में सोने से 2–3 घंटे पहले डिनर करने से शरीर, इंसुलिन का प्रभावी ढंग से उपयोग करने में सक्षम होता है।

अब सवाल उठता है कि फिर डिनर का सही समय क्या है?

अधिकांश विशेषज्ञों और शोध के अनुसार, रात का खाना सोने से कम से कम 2 से 3 घंटे पहले कर लेना चाहिए। अगर आप रात को 10 बजे सोते हैं, तो डिनर 7 से 8 बजे के बीच होना बेहतर माना जाता है। सोने से दो घंटे पहले खाना खाने से शरीर को भोजन को पचाने के लिए समय मिलता है। .

.. एजेंसी

सीएम योगी ने दिए निर्देश-मई तक पूरा करें गोड़धोइया नाला परियोजना

गोरखपुर, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गोड़धोइया नाला प्रोजेक्ट के निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य में तेजी लाते हुए मई तक इसे पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जनसभा को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट के पूर्ण हो जाने से शहर के उत्तरी क्षेत्र के लोगों को जलजमाव से मुक्ति मिल जाएगी। यह स्वच्छता, ग्रीनरी का भी प्रतिमान बनेगा। जेल बाईपास के समीप स्थलीय निरीक्षण करने पहुंचे मुख्यमंत्री ने वीडियो प्रेजेंटेशन के माध्यम से गोड़धोइया नाला प्रोजेक्ट के निर्माण कार्यों की जानकारी ली। इसके बाद नाले के समीप जाकर वाटर लेवल के बारे में पूछा। निरीक्षण करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि गोड़धोइया नाला का सिकुड़ा स्वरूप आधा गोरखपुर के लिए जलजमाव का सबसे बड़ा कारण था।

पहले यह नाला पूरे उत्तर क्षेत्र के बरसाती जल की निकासी का माध्यम था। पर, धीरे–धीरे करके वह सिकुड़ता गया। उसके बाद उसमें सिल्ट जमा हो गया। कभी सफाई नहीं हुई। मकान बनते गए और एक समय ऐसा आ गया कि जब बरसात होती थी तो नाले के शुरुआती स्थल मेडिकल कॉलेज के आगे से मोहद्दीपुर तक जलजमाव ही दिखता था। उन्होंने कहा कि राप्तीनगर, बिछिया, मैत्रिपुरम और आसपास के क्षेत्र में खूब जलजमाव होता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि जलजमाव और गंदगी और गंदगी इनसे जनित होने वाली बीमारियों का भी कारण बनता था। इसलिए सरकार ने इस नाले को लेकर एक परियोजना बनाई। उन्होंने कहा कि जब कोई निर्माण होता है तो तात्कालिक रूप से कुछ लोगों को परेशानी होती है।

पर, जब यह परियोजना पूरी हो जाएगी तब जलनिकासी की समस्या का समाधान हो जाएगा। यहां सीवर लाइन भी बिछ रही है और जहां जगह मिल रहा वहां सड़क भी बन रही है। इसके साथ ही इसे ग्रीनरी और व्यापक सुंदरीकरण के साथ भी जोड़कर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। जो लोग यहां गंदगी और बदबू के कारण इधर आने में हिचकते थे अब उनका संकोच दूर हो जाएगा।

सीएम ने कहा कि जल निगम और स्थानीय प्रशासन ने उन्हें आश्वस्त किया है कि मई तक इसे पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। जहां वाटर डायवर्जन को दिक्कत आएगी, वहां कच्चे मार्ग से इसका समाधान किया जाएगा। कोशिश हो रही है कि बरसात के पहले यह परियोजना जलनिकासी का बेहतरीन माध्यम बन जाए। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के साथ सांसद रविकिशन, महापौर डॉ मंगलेश श्रीवास्तव और कई पार्षद तथा भाजपा के पदाधिकारी मौजूद रहे।

द्वारचार के दौरान हर्ष फायरिंग में किशोर को लगी गोली

प्रयागराज, संवाददाता। हंडिया थाना क्षेत्र के हुलासपुर लाक्षागृह गांव में शुक्रवार को आई बरात में देर रात द्वारचार के दौरान हर्ष फायरिंग में गोली लगने से बारात देख रहा किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया। लहूलुहान किशोर को देखकर घराती और बराती पक्ष में अफरा–तफरी मच गई। हुलासपुर लाक्षागृह गांव निवासी धर्मेंद्र कुमार तिवारी की बेटी काजल की शादी हंडिया थाना क्षेत्र के बरौली गांव निवासी गणेश प्रसाद पांडेय के बेटे धीरज कुमार के साथ तय थी। शुक्रवार को बरात हुलासपुर लाक्षागृह पहुंच गई। रात 10 बजे के करीब बराती जनवासे से द्वारचार के लिए निकले थे। अपने रिश्तेदार के घर आया भेलसी हंडिया गांव निवासी राम जी मिश्र का बेटा प्रिंस मिश्र उर्फ कृष्णा मिश्र (15) वर्ष खड़ा होकर बरात देख रहा था। इसी दौरान हर्ष फायरिंग कर रहे अंकित मिश्र निवासी हरिहरपुर की बंदूक से निकली गोली किशोर के हथेली और जांघ में धंस गई। वह लहूलुहान होकर गिर पड़ा।

तत्काल उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हंडिया उपरदहां ले जाया गया। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। हालत गंभीर देखते हुए घायल को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। रोशन कुमार मिश्र की तहरीर पर मुकदमा दर्ज करके पुलिस आरोपी के तलाश में जुट गई है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि जान से मारने की नियति से किशोर पर फायरिंग की गई थी। आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

नन्हे ताइक्वांडो खिलाड़ियों के लिए द्रोणाचार्य बने मनोज कुमार शर्मा

लखनऊ। जब प्रतिभाओं को गुरु का सही मार्गदर्शन मिल जाता है तब उन्हें ऊंची उड़ान भरने से कोई रोक नहीं पाता है। ऐसे ही है स्कूल जाने वाले नन्हे मुन्नों के लिए वरदान बने ताइक्वांडो प्रशिक्षक मनोज कुमार शर्मा। राजधानी में चौक स्थित सीएमएस स्कूल में बच्चों को ताइक्वांडो सिखा रहे मनोज कुमार शर्मा ना केवल छात्र छात्राओं में लोकप्रिय है अपितु अभिभावकों के भी चहेते अध्यापक साबित हो रहे हैं और लोग प्यार से उन्हें द्रोणाचार्य का खिताब देते हैं। मनोज द्वारा ताइक्वांडो सिखाए गए बच्चों ने राजधानी सहित पूरे उत्तर प्रदेश और देश में अपना नाम कमाया है। अक्सर ताइक्वांडो प्रतियोगिताओं का आयोजन करने वाले मनोज ब्लैक बेल्ट 4 डॉन हैं और नेशनल स्तर के रैफरी भी है। इंटरनेशनल गोल्ड मेडलिस्ट मनोज ताइक्वांडो ट्रेनिंग स्कूल एकेडमी के सचिव भी है। एक तरफ मनोज स्कूली बच्चों को ताइक्वांडो सिखा रहे हैं तो दूसरी ओर प्रतियोगिताओं का आयोजन कर बच्चों को एक प्लेटफार्म देने का काम भी कर रहे। बच्चों और अभिभावकों के बीच बेहद लोकप्रिय मनोज कुमार शर्मा जल्द ही एक बड़ी चौम्पियनशिप का आयोजन भी करने जा रहे हैं। नन्हे ताइक्वांडो खिलाड़ियों के साथ मैदान पर पसीना बहाने वाले मनोज कहते हैं कि ताइक्वांडो ना सिर्फ खेल है बल्कि आत्मरक्षा के साथ साथ आत्मबल बढ़ाने में भी कारगर सिद्ध होता है।

बर्थडे पार्टी से लौट रहे तीन दोस्तों को पिकअप ने रौंदा दो की मौत, एक की हालत गंभीर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। गौराबादशाहपुर थाना अंतर्गत केराकत–जौनपुर मार्ग पर शुक्रवार की देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। थाना क्षेत्र के धर्मापुर के बहोरपुर गांव के पास तेज रफ्तार पिकप ने तीन युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों की पहचान अर्जुन चौहान (26) और विनोद चौहान (28) के रूप में हुई है। घायल युवक महेश चौहान (27) का जिले के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। उसकी

स्थिति नाजुक बनी हुई है। तीनों युवक जलालपुर थाना क्षेत्र के मशऊदपुर (कबूलपुर) के रहने वाले हैं। घटना उस समय हुई जब तीनों दोस्त पचहटिया में एक रिश्तेदार के घर बर्थडे पार्टी से वापस लौट रहे थे। बहोरपुर गांव के पास केराकत की तरफ से आ रही तेज रफ्तार पिकप ने उन्हें टक्कर मार दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस मामले में क्षेत्राधिकारी केराकत अजीत कुमार रजक ने बताया कि घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची शव को कब्जे में ले लिया गया है।परिजनों की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।घायल को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है जहां उसका इलाज चल रहा है।मौके पर स्थिति सामान्य है।

महिला एसओ ने यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों पर की कार्यवाई

अयोध्या। शुक्रवार की शाम महिला थाना अध्यक्ष आशा शुक्ला ने अपनी टीम के साथ शहर के रिकाबगंज चौराहे से लेकर चौक तक पैदल गस्त किया।गस्त के दौरान उन्होंने रिकाबगंज चौराहे से लेकर चौक के बीच स्थित दुकानों के सामने अतिक्रमण किए हुए दुकानदारों तथा वाहन स्वामियों पर शिकंजा कसा। इस मौके पर उन्होंने दुकानदारों से तथा वहां पर सामान लेने आए वाहन स्वामियों से अपील किया कि वे सभी अपने वाहनों को सड़कों पर ना खड़ी करें।

ट्रक पलटते ही डीजल और केले की मची लूट

वाराणसी, संवाददाता। सारनाथ रिंग रोड पर शनिवार की भोर में ग्रेनाइट से लदा ट्रक साइड खड़े ट्रक को धक्का मारते हुए खाई में जा गिरा। गनीमत रही कि इसमें कोई हताहत नहीं हुआ। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने ट्रक को निकलवाने का काम शुरू कर दिया था। जानकारी अनुसार, शनिवार की भोर में लगभग 4 बजे हरहुआ की तरफ से तेलंगाना का शौकत खान ट्रक में ग्रेनाइट पत्थर लादकर संदहा डिलीवरी देने जा रहा था। सारनाथ के पास ककरहीया गांव के सामने दूसरी तरफ से अचानक आई गाय को बचाने में शौकत ने ट्रक को बाईं तरफ मोड़ लिया। इससे साइड में खड़े ट्रक में उनकी ट्रक टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों ट्रक रिंग रोड किनारे खाई में पलट जाते हैं। चालक शौकत ने बताया कि तेलंगाना के करीमगंज से बीते 16 तारीख को ग्रेनाइट लाद कर ला रहा था, संदहा में डिलीवरी करनी थी। बताया कि खाई में गिरते ही कुछ देर बाद 5–6 लोग पहुंचे लेकिन हमें बचाने की बजाए ट्रक के टैंक से 150 लीटर के करीब डीजल चुरा ले गए। दूसरे ट्रक के चालक राजकुमार पटेल ने बताया।

युवक की हत्या में महिला दोस्त ने दर्ज कराया केस

गोरखपुर, संवाददाता। सहजनवां इलाके के भेलउर उर्फ ढड़ौली में बृहस्पतिवार रात प्रदीप कुमार (35) रॉड पीटकर हत्या कर दी गई थी। मामले में महिला दोस्त शिल्पा यादव की तहरीर पर सहजनवां पुलिस ने कटहिया निवासी राम सिंह और उसके सहयोगियों पर हत्या का केस दर्ज किया है। आरोपियों की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। मामले में कुछ संदिग्धों को हिरासत में भी लिया है, जिनसे पूछताछ चल रही है। खोराबार क्षेत्र के डुडिया की शिल्पा यादव पत्नी रामसागर यादव ने पुलिस को तहरीर देकर बताया है कि वर्तमान में वह अपने मायके सहजनवां थाना क्षेत्र के भेलउर उर्फ ढड़ौली में रहती हैं। सहजनवां थाना क्षेत्र के सेमरडांडी निवासी प्रदीप कुमार परिवार से अलग होकर साथ रहते थे। बगल के गांव कटहिया का राम सिंह पुरानी रंजिश रखता है। बृहस्पतिवार रात सिवान में गेंहू की मड़ाई करा रही थीं। प्रदीप कुमार दो गोलू मजदूरों के लिए गुटका लेने गए थे। लौटते समय आरोपी ने सहयोगियों के साथ मिलकर लाठी–डंडा से उनकी पिटाई कर दी। बेटा प्रियांशु शोर मचाते हुआ आया और कहा कि प्रदीप अंकल को रामसिंह व उनके सहयोगी पीट रहे हैं। मौके पर पहुंचने पर प्रदीप खून से लथपथ गिरे हुए थे और हमलावर भाग गए थे। घटना स्थल पर ही प्रदीप की मौत हो गई थी।

पिता ने बेटे का शव लेने से किया इन्कार

प्रदीप के पिता रमेश प्रसाद व माता राधारानी ने बताया दो बेटे और एक बेटी में प्रदीप दूसरे नंबर पर था। वह 16 वर्ष पहले हाईस्कूल की परीक्षा देने के बाद राजस्थान कमाने गया था। सात साल बाद घर लौटा। उसका संपर्क शिल्पा से हो गया और वह उसके साथ रहने लगा। आठ साल से घर के किसी सदस्य से कोई मतलब नहीं रखा। बेटी की शादी हो गई। बड़ा बेटा पंकज गोरखपुर शहर स्थित मकान पर रहता है। वह लखनऊ में एक अधिकारी की गाड़ी चलाता है। गलत संगत के कारण पिछले साल पुलिस गोरखपुर स्थित मकान पर प्रदीप के पूछताछ करने गई थी। बताया कि प्रदीप की हत्या के बाद देर रात पुलिस सूचना लेकर घर आई थी। हमलोगों ने बेटे का शव लेने से इन्कार कर दिया। पिता रमेश प्रसाद ने कहा कि न तो उसका शव लेंगे ना ही क्रिया कर्म करेंगे।

शिल्पा ने परिजनों ने कराया अंतिम संस्कार

शिल्पा ने कहा कि प्रदीप मेरे साथ रहते थे, मरने के बाद उनकी सारी जिम्मेदारी है। पोस्टमार्टम के बाद प्रदीप का शव मिलने के बाद शिल्पा के परिजनों ने राजघाट में अंतिम संस्कार किया। अब वह तेरही भी करेंगी।

यूट्यूब पर सौ से अधिक शिल्पा के वीडियो

शिल्पा यादव यूट्यूबर भी हैं। 100 से अधिक वीडियो यूट्यूब पर शेयर कर चुकी हैं। शिल्पा यादव ने बताया कि गीडा स्थित एक होटल में पुलिस वाले भी जाते थे। होटल संचालक वहां ठहरने वाले लोगों का वीडियो बनाता था। उसने पुलिसवालों का भी वीडियो बना लिया था।

कुछ वीडियो वायरल भी कर दिया था। इसी मामले में अधिकारी जांच कर रहे थे। तब अधिकारियों के सामने मैंने और प्रदीप ने गीडा पुलिस के कहने पर उनके पक्ष में बयान दर्ज कराया था। इसको लेकर ही राम सिंह रंजिश रखने लगा था। यहां बता दें कि गीडा इलाके का होटल संचालक अश्लील वीडियो बनाने और दुष्कर्म के आरोप में जेल गया था। छूटने के बाद उसके ऊपर गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई हुई थी। 30 मार्च को पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भिजवाया था।

रामसिंह ने पहले भी की थी मारपीट

शिल्पा ने बताया कि 17 मार्च की रात गांव के पास रास्ते में रामसिंह व उसके चार पांच सहयोगियों ने मुझसे व प्रदीप से मारपीट की थी। रामसिंह ने मुझे उठाकर सरसों के खेत में फेंक दिया था। इसके बाद सहजनवां थाने पर तहरीर दी थी। आरोप लगाया कि हलका हल्का दरोगा ने मामले में विपक्षी से मिलकर मामले में लीपापोती कर दी। अगर पुलिस ने कार्रवाई की होती तो आज प्रदीप जिंदा होते।

अब बेटे की जान पर भी खतरा

शिल्पा ने कहा कि प्रदीप की हत्या के दौरान उसके 13 वर्षीय बेटे प्रियांशु ने हमलावरों देखा है। बेटे ने बताया कि जब हमलावर प्रदीप अंकल पर हमला कर रहे थे तब मुझे देखकर दौड़ा लिए थे। लेकिन प्रियांशु शोर मचाते भाग गया। अब हमलावर से मुझे व बेटे की जान को खतरा है।

खुलकर नहीं बोले ग्रामीण

मामले को लेकर शुक्रवार को भेलउर उर्फ ढड़ौली गांव में दिनभर ग्रामीण चर्चा करते रहे। लेकिन पूछताछ में कोई खुलकर नहीं बोला। हत्या की घटना के बाद गांव में सन्नाटा पसरा रहा। पुलिस ने भी बयान लेने की कोशिश की, लेकिन कोई आगे नहीं आया। महिला की तहरीर पर केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की तलाश में पुलिस टीम दबिश दे रही है। बहुत जल्द आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा

संक्षिप्त समाचार

प्रतिभागियों को पुरस्कार तथा प्रमाणपत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर राज्य ललित कला अकादमी, लाल बारादरी भवन, लखनऊ में लघु फिल्म, छायाचित्र प्रदर्शनी एवं पोस्टर प्रतियोगिता तथा पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र वितरण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम का परिचय देते हुये डॉ0 राजीव कुमार त्रिवेदी द्वारा अवगत कराया गया कि वर्तमान में अपने देश में 43 विश्व धरोहर स्मारकस्थल हैं। अध्यक्षीय सम्बोधन के रूप में विभाग की निदेशक रेनू द्विवेदी ने अपनी धरोहरों को संरक्षित किये जाने की छात्रों से अपील की। उन्होंने यह बताया कि अब यूनिस्को द्वारा एक स्मारक को विश्व धरोहर न घोषित कर सम्पूर्ण नगर को विश्व धरोहर के रूप में घोषित किया जाता है। मुख्य अतिथि प्रो0 एस0एन0कपूर, पूर्व विभागाध्यक्ष, लखनऊ विश्वविद्यालय ने बताया कि सर्वप्रथम 1982 में ट्यूनीशिया में विश्व धरोहर दिवस मनाये जाने का प्रस्ताव पारित किया गया जिसे 1983 में यूनिस्को द्वारा प्रत्येक वर्ष 18 अप्रैल को विश्व विरासत दिवस के रूप में मनाये जाने की मंजूरी दी गयी। इस अवसर पर दो दिवसीय आयोजित प्रतियोगिता मे नारी शिक्षा निकेतन पी0जी0 कालेज, नवयुग कन्या महाविद्यालय, अटल बिहारी बाजपेई डिग्री कॉलेज, ललित कला संकाय, डॉ0 शकुन्तला मिश्रा विश्वविद्यालय, नवयुग पब्लिक स्कूल, सिमरन सेवा

संस्थान, शिवदेवी एजुकेशनल एवं सोशल वेलफेयर सोसाइटी, दशमेश पब्लिक स्कूल, लखनऊ के लगभग 200 से अधिक छात्र–छात्राओ के मध्य तीन श्रेणियों में प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता के प्रोफेशनल श्रेणी के अन्तर्गत प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार क्रमशः दिव्यांशी, अक्षय प्रताप सिंह, श्रष्टि शुक्ला को एवं दो सांत्वना पुरस्कार भूमिका सिंह, उदय शर्मा, सामान्य श्रेणी के सीनियर वर्ग के अन्तर्गत प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार क्रमशः ख़ुशी वर्मा, सुलेखा शुक्ला, श्रेया श्रीवास्तव एवं दो सांत्वना पुरस्कार हिमांशु शर्मा व प्रज्ञा गुप्ता को और तृतीय श्रेणी जूनियर वर्ग के अन्तर्गत प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार क्रमशः योजिता सोनकर, ओमिका पाल, आदी मिश्रा एवं दो सांत्वना पुरस्कार अलीना, संचिता यादव को प्राप्त हुआ। सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार तथा प्रमाणपत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। अंत में ज्ञानेन्द्र कुमार रस्तोगी, सहायक पुरातत्व अधिकारी ने धरोहरों का संरक्षण पर प्रकाश डालते हुये सभी अतिथियों, प्रतिभागियो, कार्यक्रम सहयोगियो सहित मीडिया बन्धुओं को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विद्यालय एवं महाविद्यालयों के शिक्षक, विद्यार्थियों सहित पुरातत्त्व निदेशालय से रामविनय, उत्खनन एवं अन्वेषण अधिकारी, बलिहारी सेठ, अभयराज सिंह, मनोज कुमार रावत, सुहैल अहमद, संतोष सिंह, आशीष कुमार, अभिषेक कुमार, दरियाब सिंह, निर्भय रावत आदि उपस्थित रहे।

शेयर बाजार में निवेश कर मुनाफा कमाने का झांसा देकर 1.58 करोड़ ठगे, एफआईआर

कानपुर, संवाददाता। चकेरी में जालसाजों ने शेयर ट्रेडिंग के लिए एक कंपनी खोली। फिर शेयर मार्केट में मोटा मुनाफा कमाने का झांसा देकर एक दर्जन लोगों से 1.58 करोड़ रुपये का निवेश कराया। इसके बाद कंपनी बंद कर फरार हो गए। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित थाने पहुंचे। सुनवाई न होने पर पीड़ित ने कोर्ट की शरण ली। कोर्ट के आदेश के बाद चकेरी पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है। नौबस्ता के आवास विकास हंसपुरम निवासी राजेश कुमार उत्तम ने बताया कि वर्ष 2023 में उनकी मुलाकात जाजमऊ निवासी जितेन्द्र कुमार और घाऊखेड़ा निवासी अमरपाल से हुई। दोनों ने खुद को शेयर ट्रेडिंग कंपनी का संचालक बताया। बातचीत के दौरान उन्होंने निवेश कर अच्छा मुनाफा कमाने का झांसा दिया। राजेश समेत एक दर्जन लोगों ने शेयर मार्केट में 1.58 करोड़ रुपये लगा दिए। काफी समय बीतने के बाद भी उन्हें न तो मुनाफा मिला, न ही मूलधन ही प्राप्त हुआ। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने सितंबर 2023 में थाने से लेकर पुलिस कमिश्नर तक गुहार लगाई, लेकिन कहीं सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद पीड़ितों ने साक्ष्यों के साथ कोर्ट में शरण ली। थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि तहरीर पर धोखा धड़ी समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

निवेश के झांसे में फंसे पूर्व आयकर आयुक्त, 47.86 लाख गंवाए

गोरखपुर, संवाददाता। बटक्वाइन में निवेश का झांसा देकर सेवानिवृत्त संयुक्त आयकर आयुक्त से 47.86 लाख रुपये की जालसाजी का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि इंग्लैंड के नंबर से जालसाजी की गई है। शाहपुर इलाके के बशारतपुर निवासी संत प्रकाश की तहरीर पर पुलिस ने साइबर थाने में अज्ञात पर केस दर्ज किया है। निरीक्षक सुभाष चंद्र को जांच सौंपी गई है। जानकारी के मुताबिक, पूर्व संयुक्त आयकर आयुक्त संत प्रकाश वर्तमान में गाजियाबाद के गैस गोदाम लेन गोला विस्ता में रहते हैं। स्थायी पता शाहपुर बशारतपुर है। उन्होंने शाहपुर पुलिस को तहरीर देकर बताया कि सात नवंबर 2024 को फेसबुक पर विज्ञापन के माध्यम से बिटक्वाइन में निवेश का झांसा दिया गया था। इसमें 10 हजार निवेश करने पर लाखों रुपये कमाने का दावा किया गया था।

इंग्लैंड के नंबरों से आई कॉल

उन्होंने बताया कि एक फॉर्म में अपना विवरण भर दिया। इसके बाद इंग्लैंड के कई नंबरों से फोन आया। कॉल करने वाले ने खुद को इंग्लैंड की एक बड़ी कंपनी का प्रतिनिधि बताया। इसके बाद एक ऐप का लिंक भेजा गया। इसमें निवेश करने लगा। बताया कि जूम मीटिंग में भी कनेक्ट किया जाता था।

झांसे में आकर किया निवेश

उन्होंने बताया कि झांसे में आकर 16 नवंबर 2024 से 05 फरवरी 2025 के बीच में 26 बार में अलग–अलग बैंकों से 47.86 लाख रुपये कंपनी के खाते में निवेश किया। शुरू में लाभ दिखाकर बाद में कंपनी के सारे लोग लापता हो गए। कॉल का उत्तर दिया जा रहा है, न ही रिफंड दिया जा रहा है।

जालसाजी से बचने के उपाय

– वॉलेट की जानकारी सुरक्षित रखें, निजी कुंजियां किसी ने बताएं।

– अज्ञात लिंक पर क्लिक करने से बचें।

शव दफनाने के विवाद में दो समुदायों के बीच चले ईंट– पत्थर, पुलिस के हस्तक्षेप से शांत हुआ मामला

मऊ, संवाददाता। मऊ जिले में कोतवाली क्षेत्र के बरईपुर मोहल्ले के खराटी दलित आबादी के पास शव दफनाने को लेकर दो समुदायों में विवाद हो गया। देखते ही देखते दोनों पक्षों ने पत्थरबाजी शुरू कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस के हस्तक्षेप से मामला शांत हुआ। बाद में दूसरी जगह शव दफनाने पर दोनों पक्षों में सहमती बनी और सुलह कर लिया। मुहम्मदाबाद गोहना कस्बा के खराटी दलित आबादी के पास बंजर जमीन है। यहां मुस्लिम समुदाय के शव दफनाए जाते हैं। शनिवार को रसूलपुर मोहल्ले के मुस्लिम परिवार के एक व्यक्ति का इंतकाल हो गया। शव को दफनाने के लिए कुछ लोग गड्ढा खोद रहे थे, तभी खराटी दलित मोहल्ले के लोगों ने वहां कब्र खोदने से मना किया। आरोप लगाया कि कब्र खोदने से मना करने पर दूसरे पक्ष के तीन युवकों ने दलित बस्ती के राम केवल की पिटाई कर दी। कब्र खुदाई रोकने की जानकारी पर दूसरे समुदाय के 12 से 15 लोग वहां पहुंच गए। विवाद की जानकारी पर दलित बस्ती से पुरुष और महिलाएं मौके पर पहुंच गए। दोनों पक्ष एक दूसरे पर पत्थरबाजी करने लगे। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची तो भीड़ वहां से फरार हो गई। दोनों पक्षों को पुलिस कोतवाली लेकर पहुंची। दलित बस्ती की महिलाएं कोतवाली पहुंचकर कार्रवाई की मांग करने लगीं। घायल रामकेवल ने 12 लोगों के खिलाफ नामजद तहरीर दी। पुलिस और राजस्व टीम की मौजूदगी में दोनों पक्ष में वार्ता के बाद शव को दूसरी जगह दफनाने पर सुलह समझौता हो गया।

क्या बोली पुलिस

मुहम्मदाबाद गोहना कस्बा के खराटी दलित आबादी के समीप शव दफनाने को लेकर दो समुदायों में विवाद हो गया। बाद में शव को कुछ दूर दफनाने पर दोनों पक्षों ने राजी होकर सुलह समझौता कर लिया। एक सप्ताह बाद राजस्व विभाग की टीम मौके की पैमाइश कर विवाद का निस्तारण कराएगी। पुलिस की मौजूदगी में कब्र खोदकर शव को सुपुर्द खाक करा दिया गया है।

एनसीसी कैडेट ने की आत्महत्या, फंदे से लटकता मिला शव

कानपुर, संवाददाता। पनकी थानाक्षेत्र में संदिग्ध हालात में एनसीसी कैडेट ने फंदे पर लटककर जान दे दी। शिवनगर डूडा कॉलोनी निवासी प्राविधिक शिक्षा निदेशालय में तैनात पीआरडी जवान धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि बड़ा रत्नेश कुमार (15) कक्षा नौ का छात्र था और स्वामी विवेकानंद रायपुर से एनसीसी कैडेट की ट्रेनिंग कर रहा था। परिवार में पत्नी सुमन और एक छोटा बेटा समीर, बेटी मुस्कान है। शुक्रवार को रत्नेश कोचिंग पढ़ने के बाद कमरे में चला गया। कुछ देर बाद छोटे बेटे समीर ने दरवाजा खटखटाया, लेकिन रत्नेश की तरफ से कोई जवाब नहीं मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़ा तो रत्नेश का शव फंदे से लटकता मिला। पनकी थाना प्रभारी मानवेंद्र सिंह ने बताया कि घटना के पीछे का कारण परिजन नहीं बता सके हैं। पीआरडी जवान के अनुसार, उन्होंने दो शादी की हैं। सुमन से दो बेटे हैं। पहली पत्नी से बेटी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में सुनी पीड़ितों की फरियाद, अधिकारियों को दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

गोरखपुर। गोरखनाथ मंदिर में शनिवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन के दौरान सैकड़ों पीड़ितों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री हर रोज की तरह सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में जनता से रूबरू हुए। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे, जिनमें जमीन विवाद, इलाज के लिए आर्थिक मदद, पारिवारिक विवाद, पुलिस प्रशासन से संबंधित समस्याएं और रोजगार से जुड़ी मांगें प्रमुख रहीं। योगी आदित्यनाथ ने प्रत्येक फरियादी की बात गंभीरता से सुनी और मौके पर मौजूद अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी पीड़ित के साथ अन्याय न हो। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं का समयबद्ध और पारदर्शी समाधान प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। जनता दर्शन में आए कई जरूरतमंदों को आर्थिक सहायता के लिए भी भरोसा दिया गया, वहीं कुछ को मुख्यमंत्री सहायता कोष से मदद देने की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को चेताया कि लापरवाही या टालमटोल की प्रवृत्ति बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जनता की शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाए।

जोश, जज्बे और जुनून संग जीनियम 7.0 का आगाज

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय
लखनऊ। लखनऊ पब्लिक कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज (एलपीसीपीएस) के वार्षिकोत्सव जीनियम के सातवें संस्करण का आगाज शनिवार को रंगारंग कार्यक्रम के साथ हुआ। संस्थापक चेयरमैन एवं सांसद डॉ. एसपी सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर जीनियम 7.0 का शुभारंभ किया। दो दिवसीय कार्यक्रम में तीस से अधिक प्रतियोगिताओं में सैकड़ों युवा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। पहले दिन बैटल ऑफ बैंड, टैलेंट हंट, ग्रुप डांस और ब्लाइंड कोडिंग जैसे इवेंट आकर्षण का केंद्र रहे। कार्यक्रम में पूर्व एमएलसी कांति सिंह, संस्थान की मेंटर निकिता सिंह, निदेशिका गरिमा सिंह, डीन डॉ. एलएस अवस्थी, डॉ. रुपाली पटेल समेत अन्य गणमान्य मौजूद रहे। रविवार को होने वाले समापन सत्र में सर्वाधिक मेडल जीतने वाले संस्थान को जीनियम ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। साथ ही साथ एक लाख से अधिक रुपये के नगद पुरस्कार प्रदान किये जाएंगे।

तिरंगा यात्रा में शामिल विद्यार्थियों को कुलपति ने किया सम्मानित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव
जौनपुर कुलाधिपति एवं राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदी पटेल के निर्देश पर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की 24 मार्च से 26 मार्च 2025 तक आयोजित तीन दिवसीय तिरंगा साइकिल यात्रा में शामिल विद्यार्थियों और सहयोग करने वालों को कुलपति सभागार में शनिवार को कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने प्रशस्ति पत्र देकर उत्साहवर्धन किया. कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों ने तिरंगा साइकिल यात्रा को सफलतापूर्वक पूरा कर देश भक्ति, एकता और आत्मबल का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया है. यह यात्रा आपके जीवन में राष्ट्र प्रेम की भावना को और प्रबल करेगी. उन्होंने कहा कि जीवन में देश के तिरंगे से ऊर्जा लेते रहे. परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह एवं प्रो. मानस पांडे ने विद्यार्थियों को संबोधित किया।सफलतापूर्वक 150 किलोमीटर की साइकिल यात्रा पूर्ण करने पर यात्रा के नोडल अधिकारी प्रो. राकेश कुमार यादव ने यात्रा के विविध पक्षों पर प्रकाश डाला. सहायक नोडल अधिकारी डॉ. अनुराग मिश्र ने अतिथियों का स्वागत किया एवं साइकिल यात्रा दल में सम्मिलित छात्रों को बधाई दी.साइकिल यात्रा में 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया था. इस दौरान जनपद के विभिन्न महाविद्यालयों से होते हुए शहीद स्थलों पर पहुंचकर उन्हें नमन किया था. इसके साथ ही शहीदों के परिजनों से मिलकर उन्हें विश्वविद्यालय का मान–पत्र, अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंट किया था. इस यात्रा में शामिल विद्यार्थियों ने समाज को नशा मुक्ति और दहेज मुक्ति के लिए संदेश दिया. विद्यार्थियों ने यात्रा के दौरान अपने अनुभवों को भी साझा किया. इस अवसर पर प्रो. सुरेश कुमार पाठक, शिक्षक संघ के महामंत्री डॉ. शैलेन्द्र यादव,डॉ. मीताराम पाल, डॉ. पूनम यादव, अजय कुमार, डॉ. हेमंत यादव, डॉ. पुनीत सिंह, राजपाल यादव, सत्यलाल यादव, डॉ. अंजनी कुमार मिश्र, समेत यात्रा में शामिल विद्यार्थी उपस्थित रहे.

महामहिम पश्चिम बंगाल में लगाए राष्ट्रपति शासन, हिंदुओं की रक्षा के लिए तैनात करे केंद्रीय पुलिस बलरू विमल सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव
जौनपुर। वक्फ बोर्ड कानून बनाए जाने के बाद सुप्रीम कोर्ट में चला रही सुनवाई के दौरान पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक्फ बिल के के आड़ में हिंदुओं के साथ हो रही है बर्बरता के खिलाफ विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष विमल सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं और विभिन्न हिंदू वादी संगठनों ने शनिवार शाम कलेक्ट्रेट परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया।और जमकर ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ नारे लगाए।हिंदुओं पर अत्याचार को लेकर महामहिम को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा। इस मामले में बात करते हुए विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष विमल सिंह ने कहा कि मुर्शिदाबाद में वक्फ बोर्ड कानून विरोध की आड़ में
हिंदुओं को टारगेट करके अत्याचार किया जा रहा है हिंदुओं को टारगेट करके हिंसा किया जा रहा है कानून सरकार ने बनाया है हिन्दू वहां से पलायन कर रहे हैं हम महामहिम से मांग सरकार से मांग करते हैं कि वहां पर राष्ट्रपति शासन लगाया जाय हिन्दुओं की रक्षा के लिए केंद्रीय पुलिस बल तैनात किया जाए जिससे वहां हिंदू हितों की रक्षा हो सके।

ओबीसी रेलवे कर्मचारियों की मांग संसद में उठाएंगे – धर्मेन्द्र यादव

मृत्युंजय प्रताप सिंह
लखनऊ। शनिवार को ऑल इण्डिया ओबीसी रेलवे कर्मचारी सगंठन उत्तर रेलवे का 28वां वार्षिक अधिवेशन 40 क्वार्टर बारातघर सामुदायिक केन्द्र आलमबाग लखनऊ में सम्पन्न हुआ अधिवेशन के मुख्य अतिथि सासंद धर्मेन्द्र यादव ने अपने सम्बोधन में कहा कि ओबीसी एसोसियेशन रेलवे का मजबूत तथा सबसे अधिक संख्या वाला सगंठन है, सगंठन को द्रढ़ विचारों के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है। आपके अधिकारों के लिए पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन पहले से ही है और आवश्यकता पड़ने पर संसद में भी आपके अधिकारों के लिए चर्चा की जाएगी। उन्होंने रिजर्वेशन पालिसी को मजबूत करने तथा प्रमोशन में रिजर्वेशन हेतु सरकार से बात करने का आवश्वासन दिया। बैठक में उत्तर रेलवे के महामंत्री एसके यादव ने अपने सम्बोधन में कहा कि यूपीएस पेंशन में ही ओपीएस पेंशन के सभी प्रावधान किए जाय।

हार्वर्ड बांध पर बन रहे फोरलेन से बाढ़ बचाव के साथ यातायात की समस्या भी होगी हल

गोरखपुर ब्यूरो चीफ
गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह हार्वर्ट बांध पर बन रहे फोरलेन सड़क के निर्माण कार्यों का बहरामपुर रेगुलेटर नम्बर एक के समीप स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस फोरलेन से बाढ़ बचाव के साथ ही यातायात की बड़ी समस्या का समाधान होगा। स्थलीय निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने फोरलेन की ड्राइंग मैप का अवलोकन कर प्रोजेक्ट की प्रगति की जानकारी ली और कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग (निर्माण खंड–2) के अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। इसके बाद जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि गोरखपुर चारों ओर से जल से घिरा हुआ क्षेत्र है। इसके पूरब में रामगढ़ताल, उत्तर की तरफ चिलुआताल, पश्चिम की तरफ राप्ती नदी और पश्चिमोत्तर में रोहिन नदी गोरखपुर महानगर को घेरे हुए है। रोहिन नदी से बचाव के लिए माधोपुर तटबंध बना हुआ है। राप्ती और रोहिन नदी का संगम डोमिनगढ़ में होता है और इसके बाद राप्ती नदी गोरखपुर के पश्चिम की ओर से बहती है। राप्ती नदी की बाढ़ से बचाव के लिए हार्वर्ट बांध बना हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में यदि कहीं बाढ़ आ जाती है तो गोरखपुर महानगर ही महत्वपूर्ण केंद्र होता है जहां से बचाव के कार्य सुगमता से संपन्न होते हैं। बाढ़ से शहर के बचाव के लिए दशकों से मांग हो रही थी। उन्होंने याद दिलाया कि वर्ष 2017–18 में इसी क्षेत्र में जब हार्वर्ट बांध पर जब राप्ती नदी का लेवल उठ रहा था तब बाढ़ से बचाव के लिए अत्यंत संवेदनशील स्थिति बन गई थी। काफी मशक्कत के बाद तटबंध को बचाया जा सकता था। इसे देखते हुए और यातायात की समस्या से भी निजात दिलाने के लिए एक नई व्यवस्था बनाई गई है। इसमें राजघाट से डोमिनगढ़ तक फोरलेन की सड़क बन रही है। डोमिनगढ़ में एक रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) का निर्माण हो रहा है। हार्वर्ट बांध के बाद माधोपुर तटबंध को भी फोरलेन से जोड़ते हुए महेसरा को जोड़ने की कार्रवाई होगी। सीएम योगी ने कहा कि इससे सिटी के बाहर–बाहर फोरलेन की बेहतरीन कनेक्टिविटी मिल जाएगी। राजघाट, टीपीनगर से होते हुए नेपाल जाने वाले मार्ग पर जाने के लिए यात्रियों को शहर के अंदर जाने की जरूरत नहीं रहेगी। इस फोरलेन से सीधे महेसरा और फिर वहां से सोनौली मार्ग पर जाना आसान होगा। यही स्थिति मालभाड़ा पर भी लागू होगी। उन्होंने कहा कि यहां पास में स्थित साहबगंज मुख्य मंडी है। यहां पर कपड़े का भी बड़ा व्यापार है। इसके चलते ट्रक रात भर खड़े रहते हैं। लोगों को जाम का सामना करना पड़ता है। दिन में भी आवागमन में दिक्कत होती है। पर, अब फोरलेन बन जाने पर दिन हो या रात लोग घर आ–जा सकेंगे और व्यापियों के माल का आना जाना भी आसान हो जाएगा। उन्होंने बताया कि इस पूरी परियोजना को लोक निर्माण विभाग और सेतु निगम कर रहे हैं और सिंचाई विभाग को भी जिम्मेदारी दी गई है कि वह बरसात से पूर्व रेगुलेटरों का अनुरक्षण कर ले। कोई समस्या हो तो समय रहते उसका समाधान कर लिया जाए ताकि शहर के अंदर जलजमाव की समस्या न होने पाए। मुख्यमंत्री ने बताया कि राजघाट पुल से डोमिनगढ़ तक 4 किलोमीटर से अधिक की फोरलेन सड़क बनेगी, इस पर 195 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। ऐसे ही डोमिनगढ़ से माधोपुर तटबंध होते हुए महेसरा तक 10 किलोमीटर से अधिक मार्ग को फोरलेन किया जाएगा जिस पर लगभग 380 करोड़ रुपये खर्च होंगे। साथ ही डोमिनगढ़ में एक रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण होगा जिस पर 132 करोड़ रुपये खर्च होना है। यानी कुल 700 करोड़ रुपये के ऊपर का यह कार्य जनता के लिए स्वीकृत किया गया है। स्वीकृति के बाद यहां कार्य भी युद्ध स्तर पर चल रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कार्यदायी संस्थाएं समय पर कार्य पूर्ण कर लेंगी और लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। सीएम योगी ने कहा कि इस कार्य के प्रारंभ होने से तात्कालिक रूप से कुछ लोगों को परेशानी हुई होगी। किसी का भी मकान या मंदिर, मार्ग में आ रहा हो तो उसके सम्मानजनक ढंग से पुनर्वास और मुआवजा की व्यवस्था प्रशासन सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि इस पूरे कार्यक्रम को आमजन और व्यापारियों की सुरक्षा व सुविधा के दृष्टिकोण से सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आगे बढ़ाया जाएगा। इस अवसर पर महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक विपिन सिंह, प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग अजय चौहान, जंगल कौड़िया के ब्लॉक प्रमुख बृजेश यादव, उत्तर प्रदेश मत्स्य निगम के अध्यक्ष रमाकांत निषाद, भाजपा के महानगर अध्यक्ष देवेश श्रीवास्तव, निवर्तमान अध्यक्ष राजेश गुप्ता आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

भाजपा सरकार में जो ब्राह्मण मंत्री हैं वह कठपुतली की तरह काम कर रहे हैं– पवन पाण्डेय

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव
जौनपुर समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता पूर्व मंत्री पवन पाडेय का जनपद आगमन पर मछलीशहर बॉर्डर पर सपा नेता राहुल त्रिपाठी के नेतृत्व में जोरदार स्वागत किया गया वहीं पूर्व मंत्री पवन पाडेय ने कहा भाजपा सरकार अपराध चरम पर है कानून राज खत्म हो गया है चारो तरफ अपराधियों का बोलबाला है अपराधियों को संरक्षण भाजपा सरकार दे रही है जो भाजपा के खिलाफ बोलेगा झूठे मुकदमे में फंसा कर सरकार उसे जेल भेजने का काम करते है भाजपा सरकार में ब्राह्मण समाज ठगी का शिकार हुआ है जो भी ब्राह्मण समाज अगर भाजपा के खिलाफ है तो उसे सरकार पचा नहीं पा रही है आए दिन उन पर फर्जी मुकदमे लगाकर जेल में बंद करने का काम करती है जीते जी स्वर्गीय हरिशंकर तिवारी जी का योगी बाबा कुछ नहीं बिगाड़ पाये अब उनके न रहने पर उनके परिवार को प्रताड़ित किया जा रहा है उनका मकान बाउंड्री बाल ढाया जा रहा है यह सरकार की सोची समझी रणनीति है भाजपा सरकार में जो ब्राह्मण मंत्री हैं वह कठपुतली का काम कर रहे हैं वह अपनी बातें और अपना काम कुछ नहीं कर पा रहे हैं भाजपा सरकार ब्राह्मणों को पुतला बनाकर रखी हुई है 2027 में ब्राह्मण समाज और पीडीऐ समाज इस बार भारतीय जनता पार्टी को उखाड़ फेंकने के लिए संकल्पित है आज हम जौनपुर में किसी निजी कार्यक्रम से आए हैं लेकिन जल्द ही ब्राह्मण समाज को जागने के लिए घर–घर जाएंगे और समाजवादी पार्टी से जोड़ने का काम करेंगे बाबा को किस बात की जलन थी कि हमारे इष्ट देवता भगवान परशुराम जी जयंती की छुट्टी निरस्त किए हैं यह ब्राह्मण समाज भूला नहीं है जितने फेक काउंटर ब्राह्मण समाज के हुए हैं और आज तक अपराधी आनंद से घूम रहे हैं एक बार भी भाजपा सरकार ने उसे दुखी परिवार से न मिलने का काम किया न ही न्याय दिलाने का काम किया हम लोग इसी बात को लेकर ब्राह्मण समाज को जगाएंगे और भगवान परशुरामजी का फरसा उठाकर 2027 में भाजपा सरकार का अंत करेंगे मुख्य रूप से

जयहिंद यादव अनिल यादव श्याम नरायण बिन्द रोशन दूबे सूर्यभान यादव इजहार अहमद, विरु यादव, निखिल यादव, प्रदीप यादव विशाल पाडेय, रोहित शुक्ला, राजन तिवारी आदि लोग उपस्थित रहें।

शादी समारोह से लौट रही पिकअप और ब्रेजा कार में टक्कर 11 लोग घायल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव
जौनपुर। प्रयागराज हाईवे पर बीबीपुर इंटर कॉलेज के पास शनिवार सुबह एक गंभीर सड़क हादसा हुआ। एक पिकअप और ब्रेजा कार की जोरदार टक्कर में 11 लोग घायल हो गए। घटना तब हुई जब सिकरारा मछली शहर निवासी मोहम्मद यासीन अपनी पिकअप में एक मैरिज हॉल का सामान लेकर जा रहे थे। इसी दौरान जौनपुर की तरफ से तेज रफ्तार में आ रही एक स्विफ्ट डिजायर ने पिकअप को टक्कर मारी और फरार हो गई। इसके तुरंत बाद सामने से आ रही ब्रेजा कार ने भी पिकअप से टक्कर कर दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ब्रेजा कार 200 मीटर दूर जाकर पलट गई। ब्रेजा में सवार प्रयागराज निगम राजापुर के निवासी आकाश, किशन गुप्ता, चालक शिव शंकर मिश्रा, हर्ष सिंह, शशांक मिश्रा और कुलदीप त्रिपाठी घायल हो गए। ये सभी एक शादी समारोह से लौट रहे थे। पिकअप में यासीन के साथ 5 अन्य लोग भी थे, जो घायल हुए हैं। हादसे में पिकअप पलट गई और उसका सारा सामान सड़क पर बिखर गया। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सिकरारा के नायाब दरोगा कमलेश कुमार मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल भिजवाया। जेसीबी की मदद से पलटी हुई पिकअप को सड़क किनारे हटाया गया, जिसके बाद यातायात सामान्य हो सका। सभी घायलों की हालत सामान्य है।

कोतवाली नगर क्षेत्र के शिवपुरी कॉलोनी में रह रहे कबाड़ियो को हटायेगी पुलिस

अयोध्या।कोतवाली नगर क्षेत्र के पुलिस चौकी देवकाली स्थित शिवपुरी कॉलोनी में पांच साल से रह रहे कबाड़ का काम करने वाले असम के लगभग दो दर्जन कबाड़ियों को पुलिस शीघ्र ही वहां से हटाने का काम करेगी।इसके लिए कोतवाली नगर पुलिस ने वहां पर रहे लगभग दो दर्जन से अधिक कबाड़ का काम करने वाले कबाड़ियों को सूचना दे दिया है कि वह सभी अपने अपने सामानों को हटाकर उस जगह को खाली कर दे।नहीं तो कोतवाली नगर पुलिस बल पूर्वक उन्हें एक दो दिन के अंदर हटा देगी।बताते चले अभी कुछ दिनों पूर्व मामूली रूप से पारिवारिक विवाद के चलते यहां पर कबाड़ का काम करने वाला एक कबाड़ी ने अपने पत्नी व बेटे को मौत के घाट उतार दिया था।जिस पर कोतवाली नगर पुलिस ने छानबीन करने पर जुटी थी।वहीं स्थानीय लोगों ने भी मौखिक रूप से कोतवाली नगर पुलिस तथा स्थानीय पुलिस चौकी देवकाली से शिकायत किया था कि यहां पर कबाड़ का काम करने वाले लोग आए दिन चोरी की भी घटनाएं करते थे।इसी को लेकर शिवपुरी कालोनी निवासी पीयूष चंद्रा के सेल्स मैनेजर अनिल द्विवेदी को मारने पीटने का भी मामला प्रकाश में आया है।इस संबंध में पीयूष चंद्रा ने बताया कि शनिवार को उनके सेल्स मैनेजर अनिल द्विवेदी कबाड़ियों के रहने वाले स्थान पर यह देखने के लिए गया कि वहां पर वे लोग क्या कर रहे है।

तीन दिवसीय ऐनस्थीसिया रिफ्रेशर कोर्स के दूसरे दिन का प्रारम्भ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय
लखनऊ। डा. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ के एनेस्थीसियालॉजी एवं क्रिटिकल केयर मेडिसिन विभाग द्वारा तीन दिवसीय एनेस्थीसिया रिफ्रेशर कोर्स के दूसरे दिन का प्रारम्भ डा. राकेश कुमार व डा. मनोज त्रिपाठी द्वारा सांस सम्बन्धित होने वाली समस्याओं के निदान की जानकारी देते हुये किया गया। एस0जी0पी0जी0आई0एम0एस0 के डा0 प्रभात तिवारी ने हृदय वाल्व से पीड़ित मरीजों के ऑपरेशन के दौरान बरतनी जाने वाली सावधानी की जानकारी दी। डा0 दीपक टेम्पे ने हार्ट अटैक के मरीजों की सर्जरी में एनेस्थीसिया देने के दौरान क्या–क्या सावधानी बरतनी हैं, की जानकारी छात्रों को दी। एनेस्थीसिया रिफ्रेशर कोर्स के उद्घाटन समारोह में लोहिया संस्थान के निदेशक प्रो0 सी0एम0 सिंह, डीन प्रो0 प्रद्युम सिंह, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो0 अजय कुमार सिंह, सैफई विश्वविद्यालय के पूर्व वी0सी0 प्रो0 (ब्रिगे0) टी0 प्रभाकर व प्रो0 पी0के0 सिंह, पद्म भूषण प्रो0 बी0के0 राव, एनेस्थीसिया विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो0 पी0के0 दास व कार्स संचालक डा0 शिवानी रस्तोगी ने छात्रों को इस कोर्स में प्रतिभाग हेतु आमंत्रण का व्याख्यान किया। डा0 मुरलीधर कांची नारायणा अस्पताल, हैदराबाद ने हृदय रोगों की विस्तृत जानकारी दी। अन्त में पैनल डिस्कसन के दौरान डा0 संजय अग्रवाल (देहरादून), डा0 दीपक टेम्पे (दिल्ली), डा0 लोकेन्द्र (लखनऊ), डा0 राजेश मीना (बनारस), डा0 देवेन्द्र सिंह (मैक्स अस्पताल) ने एनेस्थीसिया के छात्रों की नौकरी के अवसर के बारे में जानकारी दी। इस व्याख्यान की समित में लोहिया संस्थान के डा0 एस0एस0 नाथ व डा0 कृति नागर शामिल थे।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन ने दी श्रद्धांजलि

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय
लखनऊ। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सौरभ कुमार ने बताया कि आज अपने अति प्रिय स्मृति शेष श्रवण कुमार द्विवेदी के चित्र पर उरई के महालक्ष्मी गेस्ट हॉउस प्रांगण मे पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया. उनके जैसा महान व्यक्ति का मिलना बहुत मुश्किल है अपने संगठन की तो बहुत बड़ी क्षति हुई है जिसकी भरपाई बहुत कठिन है. अब तो उनकी स्मृति ही रह गई है. हमारी तो व्यक्तिगत रूप से भी भारी क्षति हुई है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना
स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com
समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।